03

निगम ने कमेटियों का किया गठन

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04

100 करोड़ वैक्सीनेशन पर सिसोदिया के सवाल

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, शनिवार, 23 अक्टूबर 2021 | राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र | शक संवत 1942, कार्तिक कृष्ण पक्ष तृतिया, मूल्य, 2.00 रुपए

युवा महिला लेखिका क्लब द्वारा वक्तव्य का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में शुक्रवार को युवा महिला लेखिका क्लब के तत्वाधान से वक्तव्य का आयोजन किया गया। इस वक्तव्य का विषय था रचनात्मक लेखन कौशल जागरूकता एवं प्रेरणा मुख्य वक्ता के रूप में साहित्यकार, कहानीकार वरिष्ठ लेखिका डॉ सुदर्शन रत्नाकार मुख्य रूप से उपस्थित थी । कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं निर्देशक के रूप में अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्णकांत गुप्त की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य ने अतिथि का स्वागत करते हुए इस वक्तव्य की महत्ता एवं उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि लेखन कौशल को बढ़ावा देना चाहिए लेखन भावों की अभिव्यक्ति व संवेदना का माध्यम है। इस वक्तव्य के माध्यम से शिक्षक व विद्यार्थी दोनों ही लाभान्वित हुए। डॉ सुदर्शन रत्नाकर ने अपने वक्तव्य के माध्यम से छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा की संवेदना साहित्यकार के हृदय मे कल्पना तत्व और भाव तत्व जागाकर कहानी व कविता का निर्माण करती है।

रचनात्मक लेखन कौशल जागरूकता एवं प्रेरणा बिषय पर वक्तव्य का आयोजन

बल्लमगढ़, 22 अक्टूबर, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लमगढ़ में शुक्रवार को युवा महिला लेखिका क्लब के तत्वाधान से वक्तव्य का आयोजन किया गया। इस वक्तव्य का विषय था मुख्य वक्ता के रूप में साहित्यकार, कहानीकार वरिष्ठ लेखिका डॉ० सुदर्शन रत्नाकारजी मुख्य रूप से उपस्थित थी । कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं निर्देशक के रूप में अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता जी की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य जी ने अतिथि का स्वागत करते हुए इस वक्तव्य की महत्ता एवं उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि लेखन कौशल को बढ़ावा देना चाहिए लेखन भावों की अभिव्यक्ति व संवेदना का माध्यम है। इस वक्तव्य के माध्यम से शिक्षक व विद्यार्थी दोनों ही लाभान्वित हुए। डॉ० सुदर्शन रत्नाकर जी ने अपने वक्तव्य के माध्यम से छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहाकी संवेदना साहित्यकार के हृदय मे कल्पना तत्व और भाव तत्व जागाकर कहानी व कविता का निर्माण करती है।

कल्पना के बीज उगाने के लिए भाषा का ज्ञान, भावों की अभिव्यक्ति, सुंदर शब्दों का निर्माण, बहुत जरूरी है नियमित रूप से पढ़ना-लिखना भी रचनात्मक लेखन कौशल को बढ़ाता है। कमल टंडन जी ने छात्राओं को साहित्यकार बनने के लिए प्रेरित किया और रचनात्मक कौशल को बढ़ाने के लिए विभिन्न सुझाव दिए। कार्यक्रम की संयोजिका कमल टंडन जी, सह-संयोजक डॉ० जयपाल सिंह, डॉ० गीता गुप्ता, डॉ० सारिका, डॉ० रेनू महेश्वरी, सुश्री सुप्रिया ढांडा, डॉ० मीनू अग्रवाल, डॉ० इनायत, डॉ० सुषमा व डॉ० सोनिया सभी के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच संचालन का कार्यक्रम सुश्री सुप्रिया ढांडा के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन कमल टंडन जी ने किया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

शनिवार, 23 अक्तूबर 2021

हिन्दुस्तान 02

अग्रवाल कॉलेज में कार्यशाला हुई

बल्लभगढ़। अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ में जहां एक ओर कंप्यूटर विभाग द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला आईसीटी टूल्स एंड टेक्निक्स आयोजित की गई। वहीं दूसरी ओर कॉलेज के प्रागंण में युवा महिला लेखिका क्लब के तत्वाधान से वक्तव्य का आयोजन किया गया।